स्वावलंबी शिक्षण हेच आमचे ब्रीद - कर्मवीर

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

चंद्राबाई - शांताप्पा शेंडूरे कॉलेज, हुपरी

जिला : कोल्हापुर, महाराष्ट्र (भारत)

(नॅक बेंगलोर द्वारा B+ ग्रेड प्राप्त (CGPA : 2.72)

हिंदी विभाग, अंतर्गत गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

एवं

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद, कोल्हापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय आंतरराष्ट्रीय आंतरविद्याशाखीय वेब संगोष्ठी (वेबिनार)

विषय : 'इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य और संवैधानिक मूल्य'

मंगलवार, दिनांक 23/05/2023

समय : पूर्वाहन 10:30 (भारत), पूर्वाहन 9:00 (मॉरीशस), पूर्वाहन 9:00 (दुबई)

प्रेरक एवं मार्गदर्शक

मा. खा. शरदचंद्रजी पवार साहेब
(अध्यक्ष, रयत शिक्षण संस्था, सातारा)

मा. सौ. सरोज (माई) पाटील
(सदस्य, जनरल बॉडी, रयत शिक्षण संस्था, सातारा)

प्रिं. डॉ. विठ्ठल शिवणकर
(सचिव, रयत शिक्षण संस्था, सातारा)

प्रिं. डॉ. शिवलिंग मेनकुदळे
(सहसचिव एवं ऑडीटर, रयत शिक्षण संस्था, सातारा)

उद्घाटक - बीजभावक
मा. जयप्रकाश कर्दम
ज्येष्ठ हिंदी साहित्यकार

विषय विशेषज्ञ
मा. डॉ. बिदन आबा
(पूर्व प्रोफेसर, महात्मा गांधी इन्स्टिट्युट, मॉरीशस विश्वविद्यालय)

विषय विशेषज्ञ
मा. डॉ. नितीन उपाध्ये
(हिंदी एवं मराठी साहित्यकार, दुबई)

अध्यक्ष
मा. प्रो. डॉ. विजयकुमार रोडे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

भवदीय

प्रा. देवल तुलशीकट्टी
प्रमुख, अंतर्गत गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्रा. मारूफ मुजावर
सहसंयोजक एवं सहयोगी प्राध्यापक
हिंदी विभाग
9822780357

प्रो. (डॉ) सुनिल बनसोडे
अध्यक्ष, शिवाजी विद्यापीठ
हिंदी प्राध्यापक परिषद,
कोल्हापुर

प्रो. (डॉ) डी. आर. भोसले
प्रप्रधानाचार्य
संयोजक, एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग
चंद्राबाई-शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज, हुपरी
8169422340

प्रो. (डॉ) सुनिल चंदनशिवे
उपप्रधानाचार्य एवं सदस्य, संयोजन समिति

डॉ. विलास चौगुले
तकनीकी मार्गदर्शक

डॉ. संदीप माने
तकनीकी मार्गदर्शक

रयत शिक्षण संस्था संचलित

चंद्राबाई –शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज,हुपरी जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी विभाग और अंतर्गत गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ एवं

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद ,कोल्हापुर

के संयुक्त तत्वावधान में

एक दिवसीय आंतरराष्ट्रीय आंतरविद्या शाखीय वेब संगोष्ठी

*इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य और संवैधानिक मूल्य

@ अहवाल @ दि.23/07/2023

------International Webinar-------

हमारे महाविद्यालय का हिंदी विभाग और अंतर्गत गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ एवं शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद , कोल्हापूर के संयुक्त तत्वावधान में *इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य और संवैधानिक मूल्य * इस विषय पर मंगळवार दिनांक 23 जुलाई, 2023 को सुबह 10.30 से 1.30 तक *एक दिवसीय आंतरराष्ट्रीय आंतरविद्या शाखीय वेब संगोष्ठी* का आयोजन कियागया था।

साहित्य का संबंध जीवन के हर क्षेत्र से है। आज के वैश्विकरण के युग में लगभग हर देश का राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक माहौल चिंता एवं चिंतन का विषय है। देश एवं विदेश की सभ्यता एवं संस्कृति पर किसी न किसी प्रकार की विचारधाराओं का प्रभाव भी नजर आता है। वैश्विक स्तर पर भारतीय संविधान का अपना अलग महत्त्व है। भारतीय संविधान का प्रभाव विविध क्षेत्र पर रहा है। भारतीय साहित्य पर भारतीय संविधान का प्रभाव ही नहीं अमिट छाप है । इस सूत्र के आधार पर विभिन्न विद्या शाखा के छात्र एवं अध्यापक विमर्श करे इस उद् देश्य से * इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य और संवैधानिक मूल्य * इस विषय पर अंतरविद् या शाखीय आंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

अंतरविद् या शाखीय आंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी प्रास्ताविक - अतिथि परिचय प्रधानाचार्य एवं हिंदी विभागप्रमुख प्रो.डॉ.डी.आर. भोसले जी ने किया। तत्पश्चात वेब संगोष्ठी के उद्घाटक-बीजभाषक लोकप्रिय जेष्ठ हिंदी साहित्यिक मा.जयप्रकाश कर्दम (दिल्ली) जी ने अनमोल मार्गदर्शन किया । संगोष्ठी के प्रथम सत्र के विषयतज्ज्ञ मा. डॉ. बीदन आबा, पूर्व प्रोफेसर,

महात्मा गांधी इंन्स्टिट्यूट, मोरीशस विश्वविद् यालय (मोरीशस) जी ने अपने विचारोंसे लाभान्वित किया। उसके बाद दूसरे सत्र में विषयतज्ज्ञ मा.डॉ.नितिन उपाध्ये (दुबई) अपने भारतीय संविधान के बारे में अपने विचार रखे।

इस विभिन्न सत्रो की अध्यक्षता प्रो डॉ सुनिल बनसोडे (जयशीगपुर),प्रो डॉ नाजीम शेख (पेठ वडगाव),प्रो डॉ साताप्पा सावंत (सांगली)जी ने बखुबी निभाई। वेब संगोष्ठी में अतिथि परिचय,आभार प्रदर्शन,सूत्र संचालन के कार्य को प्रा अविनाश पाटील (कोल्हापुर),डॉ वर्षा सहदेव(पेठ वडगाव),डॉ संदिप किर्दत (सातारा),डॉ चंदा सोनकर (कोल्हापुर), डॉ इब्नुस शेख (सातारा), डॉ प्रदिप सरवदे (वारामती), डॉ गोरख बनसोडे (रहिमतपूर), प्रा.नीता शर्मा (नागपुर),डॉ विजय सदामते (कोल्हापुर),जी ने आत्मीयता से पुरा किया। * इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य और संवैधानिक मूल्य * इस संपूर्ण वेब संगोष्ठी का आभार प्रदर्शन सह संयोजक प्रा.मारुफ मुजावर जी ने किया। वेब संगोष्ठी को सफल बनाने मे महाविद्यालय के प्रा.देवल तुलसीकट्टी,प्रो.(डॉ).सुनिल चंदनशिवें जी के साथ सभी अध्यापक एवं कार्यालयीन सेवको ने सहयोग दिया। देश -विदेश के 400 से अधिक अध्यापक एवं छात्रो ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। एक सफल वेब संगोष्ठी हिंदी विभाग ने आयोजन किया।

सह संयोजक

संयोजक

प्राचार्य,
Chandrabai-Shantappa Shendure College,
Hupari

Chandrabai-Shantappa Shendure College Hupari
Tal. Hatkanangale
Dist. Kolhapur